24 जिलों में किसानों को मिल रही दिन में बिजली : भजनलाल शर्मा

बेहतर प्रबंधन से विद्युत उत्पादन क्षमता में हुई उल्लेखनीय वृद्धि, छीजत घटी : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेहतर प्रबंधन एवं दूरगामी निर्णयों के फलस्वरूप प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज होने के साथ ही छीजत में कमी आई है। उन्होंने प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाते हुए कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं तथा उद्योगों को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित ऊर्जा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने आवास पर ऊर्जा विभाग की बैठक ली।

- उपभोक्ताओं को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : सीएम

उन्होंने कहा कि राजस्थान में अक्षय ऊर्जा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की है। हर घर-हर खेत को पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। आज 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली मिल रही है जिसे राज्य सरकार वर्ष 2027 में प्रदेशभर में उपलब्ध कराएगी। शर्मा ने कहा कि पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स सस्ते होने के साथ ही लम्बी अवधि के लिए कारगर है। वहीं, बैट्री स्टोरेज के माध्यम से भी स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलता हैयें परियोजनाएं आने वाले समय में उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इन प्रोजेक्ट्स की क्रियान्विति राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं को गति देने के निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, ऊर्जा विभाग शासन सचिव आरती डोगरासहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा साहेब भारतीय संस्कृति में रचे-बसे मूल्यों से जुड़े महामना थे : राज्यपाल

डॉ. अम्बेडकर ने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है,यह दृष्टि भी दी : हरिभाऊ बागड़े

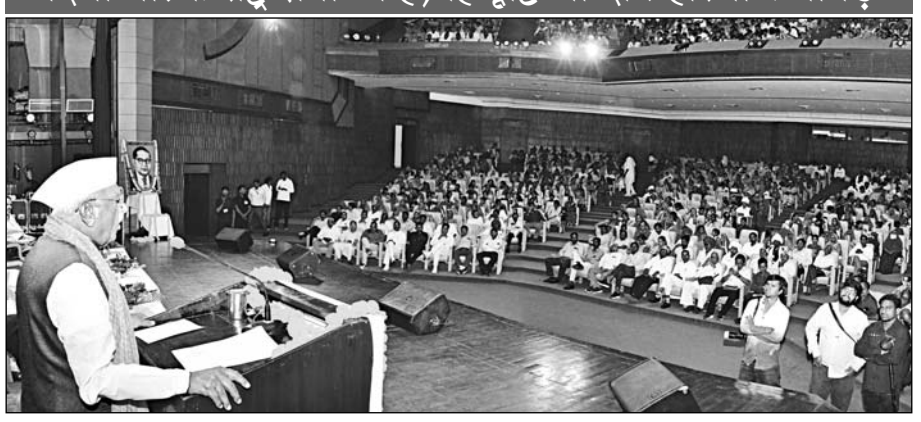

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर जयपुर में आयोजित समारोह में संबोधित किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर व्यक्ति नहीं अपने आप में संस्था थे। उन्होंने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है, यह दृष्टि भी हमें दी। वह संविधान और भारतीय संस्कृति में रचे-बसे मूल्यों से जुडे महामना थे। उन्होंने कहा कि महामना वह होता है जो मनुष्य जैसा ही होते हुए भी अपने विचारों से और कर्म से जीते जी महानतम विचारों का आलोक देता है। राज्यपाल बागडे डॉ. अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपने अध्ययन का बहुत सारा समय डॉ. अम्बेडकर ने देश-दुनिया के कानूनों को जानने और समझने में ही व्यतीत किया था। इसी से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का महान संविधान हमें तैयार कर उन्होंने दिया। बागडे ने कहा कि बाबा साहेब ने पूरा जीवन वंचित वर्ग के कल्याण को समर्पित किया था। बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में उन्होंने कहा था, 'मैं चाहता हूं कि समस्त लोग पहले भारतीय हों, और अंततः भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों।

राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब ने राष्ट्र प्रथम की सोच हमें दी और कहा था कि राष्ट्र के हितों को सदा अग्रणी रखें। डॉ. अम्बेडकर के विचार वास्तविक रूप में उस राष्ट्रवाद से ही जुड़े हैं जिनमें व्यक्ति और व्यक्तियों के बीच जातियों, वर्णों, वर्गों, धर्मों में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता के लिए सदा काम किया। डॉ. अम्बेडकर ने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' का नारा दिया।

बागडे ने बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों को अपनाने का आव्हान करते हुए कहा कि वह युगपुरूष थे। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर द्वारा देश में रोजगार केंद्रों की स्थापना, दामोदर घाटी परियोजना, हीराकुंड परियोजना तथा सोन परियोजना आदि की स्थापना में रही महत्वपूर्ण भूमिका को स्मरण करते हुए उनकी उदात्त दृष्टि से सीख लेने का आव्हान किया।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

''डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी अवार्ड 2025'' में मिला प्रथम स्थान

हरिद्वार। पतंजलि अनुसंधान संस्थान को ''डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी अवार्ड 2025'' में प्राइवेट इंडस्ट्री कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पिछले वर्ष भी संस्थान को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

- यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणाम : आचार्य बालकृष्ण

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार संस्थान को उनके आंवला के बीज तेल पर किए गए उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए मिला, जिसमें इसके शक्तिशाली एंटी-माइक्रोबियल और बायोफिल्म-रोधी गुणों को उजागर किया गया है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणाम है। आगे उन्होंने कहा की यह हर उस वैज्ञानिक के समर्पण की जीत है जो प्रतिदिन विश्व को एक सुगम, सुरक्षित और प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने इस अवसर पर बताया कि ''डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी अवार्ड'' देश में एनालिटिकल केमिस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध को पहचान देने वाला एक प्रतिष्ठित मंच है। इस मंच पर लगातार दूसरी बार पुरस्कार प्राप्त करना संस्थान के लिए गर्व का विषय है, और यह संस्थान की सुदृढ़ वैज्ञानिक आधारशिला को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आंवला पर किए गए इन्हीं शोध के आधार पर भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा भी संस्थान को पिछले वर्ष 10वें अंतरराष्ट्रीय ''वेस्ट टू वर्थ'' सम्मेलन एवं 4 आर अवार्ड्स 2025 संस्करण में ''अवार्ड ऑफ मैरिट'' से सम्मानित किया गया था।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में रैली निकाली

जयपुर। केंद्र की भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम के समर्थन में गुलाबी नगरी में महिलाओं का उत्साह देखने को मिला। सोमवार को आमजन की महिलाओं ने एकजुट होकर स्कूटी और बाइक रैली निकालते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। यह रैली विद्याश्रम स्कूल, जेएलएन मार्ग से शुरू होकर टोंक रोड होते हुए अमर जवान ज्योति पर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में महिलाओं ने तख्तियां और नारों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया।

रैली में शामिल महिलाओं ने कहा कि प्रस्तावित अधिनियम के तहत महिलाओं को राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से उनकी भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी। यह कदम समाज में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। आयोजन की विशेषता यह रही कि इसे पूरी तरह आम समाज की महिलाओं ने आयोजित किया, जिसमें जनसहभागिता प्रमुख रूप से देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर और महिला मोर्चा ने व्यवस्थागत सहयोग प्रदान किया।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी।

कांग्रेस ने किया संविधान का सबसे ज्यादा उल्लंघन : सीएम

- बाबा साहेब को 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने भारत रत्न प्रदान किया, जो कि उन्हें बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। लेकिन गांधी परिवार खुद को ही भारत रत्न देने में इतना व्यस्त रहा कि वे बाबा साहेब को भूल ही गए : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया। पहले कांग्रेस ने बाबा साहेब को टिकिट नहीं दिया। फिर उन्हें हराने की कोशिश की और उन्होंने बाबा साहेब को भारत रत्न भी नहीं दिया।

शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब को 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने भारत रत्न प्रदान किया, जो कि उन्हें बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। लेकिन गांधी परिवार खुद को ही भारत रत्न देने में इतना व्यस्त रहा कि वे बाबा साहेब को भूल ही गए। उन्होंने नेहरूजी और इंदिराजी को तो भारतरत्न दे दिया लेकिन बाबा साहेब को उनके जीवनकाल में उचित सम्मान नहीं दिया।उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जो दल दशकों तक देश पर शासन करता रहा, उसी कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ ही सबसे बड़ा अन्याय किया। जीवनकाल में कभी भी कांग्रेस से उचित सम्मान नहीं मिलने के कारण ही उन्हें मंत्रिमंडल से मजबूरन इस्तीफा देना पड़ा था। कांग्रेस ने वोट की राजनीति के लिए ही वंचित और पिछड़ों की बात की। कांग्रेस ने ही बाबा साहेब के बनाये संविधान का सबसे ज्यादा उल्लंघन किया।

परनामी मंदिर में भक्ति की बयार

जयपुर। राजापार्क स्थित श्री कृष्ण परनामी मंदिर का तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह बैसाखी पर्व पर श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत 12 अप्रैल को प्रभात फेरी, धर्म ध्वजा फहराने, अखंड पारायण पूजन और रक्तदान शिविर से हुई।पंचायत प्रधान विजय परनामी ने बताया कि श्री राज श्यामा जी का चंदन, गुलाब व केवड़ा से भव्य अभिषेक किया गया, वहीं स्वाति परनामी के निर्देशन में हिंदुत्व आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया। समिति अध्यक्ष कमल परनामी ने संप्रदाय की स्थापना और उसके मानवता व एकता के संदेश पर प्रकाश डाला। इस समारोह में करनाल धाम से आए जगत राज महाराज एवं दिल्ली से पधारी परीम सखी महाराज ने 'मुखवाणी' को ईश्वरीय ज्ञान का स्त्रोत बताते हुए उसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

महिला मंडल की सदस्यों ने श्याम सुंदर बांसुरी वाले... सहित विभिन्न भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं।

29 किलो डोडा-चूरा सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए राजधानी में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत जालूपुरा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 29.850 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत सीएसटी टीम ने पुलिस थाना जालूपुरा (उत्तर) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सुखा सिंह (30), सुरजन सिंह (19) और मंगल सिंह (29) को जालूपुरा क्षेत्र में केएस टीवीएस मोटर्स के सामने चांदपोल जाने वाली सड़क से गिरफ्तार किया गया है, जो हरियाणा और पंजाब के निवासी हैं। पुलिस आरोपियों के कब्जे से 29.850 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के नेटवर्क और अन्य संभावित साथियों के संबंध में जांच जारी है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि नशे के खिलाफ इस मुहिम में सहयोग करें और अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पश्चिमी बंगाल में इसी माह होने वाले चुनाव को देखते हुए जयपुर में रह रहे लोग वापस अपने प्रदेश लौटने लगे हैं। मंगलवार को जयपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। हालात ऐसे थे कि ट्रेनों में सीटें मिलना तो दूर प्लेटफॉर्म पर खड़े होने की भी जगह नहीं थी। फोटो-राष्ट्रदूत

अवैध स्मैक के साथ शातिर हिस्ट्रीशीटर फरमान गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 5.26 मिलीग्राम स्मैक भी बरामद की है। फिलहाल आरोपी तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

- आरोपी के कब्जे से 5.26 मिलीग्राम स्मैक बरामद

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि जयपुर कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' अभियान के तहत सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरमान (36) निवासी सुभाष चौक को गिरफ्तार कर उसके पास से 5.26 मिलीग्राम स्मैक बरामद की गई। फिलहाल पुलिस मामले का अनुसंधान कर रही है कि आरोपी यह नशा कहाँ से लाया था और किन लोगों को सप्लाई करने वाला था।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है और उसके विरुद्ध पूर्व में भी पुलिस थाना सुभाष चौक में मारपीट का मामला दर्ज है, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल महेन्द्र कुमार, कांस्टेबल कुलदीप सिंह, दीपेन्द्र सिंह, दिनेश और राहुल की मुख्य भूमिका रही।

श्रीमद्भागवत कथा में बाल लीलाओं का श्रवण कराया

जयपुर। सुभाष चौक दरीबा पान स्थित आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को ठाकुरजी की माधुर्य भाव की बाल लीलाओं और आसुरी तत्वों के उद्धार के प्रसंगों की सरस कथा हुई।

शुक सम्प्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सानिध्य में व्यासपीठ से मदन मोहन दास महाराज ने कहा कि भगवान ने भक्तों के मनोगत भावों के अनुसार लीलाएं की और सुख प्रदान किया। भगवान ने राक्षसों का भी संहार नहीं बल्कि उद्धार ही किया। उन्होंने अघासुर और धेनुकासुर जैसे राक्षसों का भी खेल-ही-खेल में उद्धार कर दिया। भगवान किसी का वध नहीं करते, बल्कि उनके स्पर्श मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है।

उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने मुख्य रूप से ब्रज में तीन लीलाएं करने के लिए अवतार लिया था- माखन चोरी लीला, गौचारण लीला और महारासलीला। भगवान कृष्ण ने ब्रज में रहते हुए कभी जूते-चप्पल या सिले हुए वस्त्र धारण नहीं किए। वे यह बताना चाहते थे कि ब्रज की रज की अद्भुत महिमा है। जो ब्रजराज को मस्तक पर धारण करता है, उसे किशोरी राधा रानी की प्राप्ति होती है।

प्रदेश में उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए कर रहे हैं सघन निरीक्षण : डॉ. किरोड़ीलाल

सहकारी व निजी क्षेत्र में 3.84 लाख मैट्रिक टन यूरिया, 71 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 67 हजार मैट्रिक टन एनपीके तथा 2.13 लाख मैट्रिक टन एस.एस.पी. उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है : कृषि मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा खरीफ 2026 में मांग के अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उर्वरकों की कालाबाजारी, डायवर्जन व जमाखोरी को रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेशभर में जिला, उपखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर उर्वरक विक्रेताओं, यूरिया के गैर कृषि कार्य में उपयोग करने वाली उत्पादन ईकाईयों पर सघन निरीक्षण किया जा रहा है। प्लाईवुड, रेजिन, डेफ, पशु आहार के परिसरों में सघन निरीक्षण के बाद जहां-जहां अनियमितता मिल रही हैं, वहां कठोर कार्यवाही की जा रही है।

- ''कृषि विभाग ने 2793 निरीक्षण कर 437 उर्वरक विक्रेताओं को नोटिस थमाया, 23 को उर्वरक विक्रय से रोका, जबकि 38 उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित किये''

कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल ने बताया कि राज्य में 13 अप्रेल 2026 को सहकारी व निजी क्षैत्र में 3 लाख 84 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 71 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 67 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 2 लाख 13 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है व आपूर्ति निरन्तर जारी है। कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों को किसी भी प्रकार से चिंतित होने की आवश्यकता नही है, राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की उपलब्धता में कोई कमी नही आने दी जायेगी। विगत वर्षो व अन्य राज्यों की तुलना में इस वर्ष अधिक मात्रा में समस्त प्रकार के उर्वरकों की उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा यूरिया के डायवर्जन, काला बाजारी एवं जमाखोरी को रोकने हेतु गुण नियंत्रण अभियान 29 मार्च से चलाया जा रहा है तथा दिनांक 11 अप्रेल से विषेष अभियान चलाया जाकर पूरे प्रदेश में उर्वरकों के विक्रय, अवैध भण्डारण, कालाबाजारी व अनुदानित यूरिया के दुरुपयोग को रोकने के लिये औचक निरीक्षण कर छापेमारी की कार्यवाही की गई है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल के नेतृत्व में 11 अप्रेल को उर्वरक विक्रेताओं व कालाडेरा औद्योगिक क्षैत्र में संचालित प्लाईवुड निर्माण ईकाईयों पर यूरिया के दुरुपयोग की आशंका के मध्यनजर छापेमारी की गई। विभाग द्वारा इस अवधि में 2793 निरीक्षण कर अनियमितता करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध 437 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओं नोटिस जारी किये, 23 विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय पर रोक लगाई गई, 38 उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित किये जाकर एफआईआर हेतु 1 शिकायत दर्ज कराई गई है एवं उर्वरक निरीक्षकों द्वारा निरन्तर कार्यवाही जारी है।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल द्वारा कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, हरी खाद का उपयोग करने, जैविक खेती व प्राकृतिक खेती को बढावा देने तथा उर्वरकों का समान रूप से पारदर्शिता के साथ वितरण कराने और उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं, जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठौर कार्यवाही हेतु समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।आयुक्त कृषि ने बताया कि समय-समय पर विषेष अभियान चलाये जाकर उर्वरक वितरण में जमाखोरी, कालाबाजारी, यूरिया डायवर्जन सहित अन्य अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त कृषि द्वारा राज्य के किसानों को सलाह दी गई है कि फसलों की बुवाई के समय ही मांग अनुसार उर्वरकों का क्रय करे , साथ ही रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करते हुये अन्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढावा दिया जावे।

प्रदेश के पश्चिमी जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी

राजस्थान में गर्मी बढ़ी, मौसम विभाग ने तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गर्मी ने अब तेज रफ्तार पकड़ ली है और आगामी दिनों में पश्चिमी राजस्थान के कई शहरों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए पश्चिमी राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को प्रदेश के पांच शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक और रात का तापमान 25 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सबसे अधिक दर्ज किया गया, जबकि फलोदी में न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रात रही।

मौसम विभाग के अनुसार बाड़मेर के अलावा कोटा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर और चूरू में दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा। वहीं, फलोदी के साथ बीकानेर, बारां, जालोर और बाड़मेर में रात का तापमान 25 डिग्री के पार पहुंच गया। इसके अलावा अलवर, पिलानी, पाली, जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, दौसा और लूणकरणसर में तापमान 39 डिग्री के पार रहने से आमजन को तेज गर्मी का सामना करना पड़ा।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आगामी 4-5 दिनों तक अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में 2 से 3 डिग्री की और वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 17 और 18 अप्रैल को जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तापमान 42 से 44 डिग्री तक पहुंच सकता है और कहीं-कहीं हीटवेव चलने की संभावना है।राजधानी जयपुर में भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। तेज धूप के कारण लोग छांव की तलाश करते नजर आ रहे हैं, वहीं ट्रैफिक सिग्नल पर दुपहिया वाहन चालकों को खड़ा होना मुश्किल हो रहा है। जयपुर का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसमें क्रमशः 1.8 और 1.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून सामान्य से कम रहने की संभावना है, जिससे गर्मी का असर लंबे समय तक बना रह सकता है।